सैन्य विज्ञान

कक्षा–11

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1-सैन्य विज्ञान :

अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, से सम्बन्ध।

2-थल सेना :

(च) भारतीय सशस्त्र सेनायें आणविक प्रक्षेपात्र के संदर्भ में।

3-वायु सेना :

(स) वायु सेना के विमानों के प्रकारों का सामान्य ज्ञान।

4-नौसेना :

(अ) भारतीय स्वतंत्रता के समय नौसेना की स्थिति।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

सैन्य विज्ञान

कक्षा-11

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

सभी सामाजिक विज्ञानों में सैन्य विज्ञान एक जटिल एवं महत्वपूर्ण विज्ञान है। इसका अर्थ केवल सशक्त सेना संगठन, प्रतिष्ठान, शास्त्र अथवा सैनिक से ही नहीं अपितु उसकी जड़ें राष्ट्र के राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में व्यापक रूप से फैली है। इसका क्षेत्र व्यापक एवं सभी प्रकार के ज्ञान से सम्बन्धित है।

इसका एकांकी अध्ययन नहीं हो सकता। राष्ट्र की शक्ति, गरिमा और गौरव राष्ट्रीय मंच पर कैसे उभर सकती है तथा विश्व शान्ति और सह अस्तित्व स्थापित करने में भारत प्रमुख भूमिका निभा सकता है। यही इस विषय के पठन-पाठन का मुख्य उद्देश्य है। यह विषय सैन्य शिक्षा अथवा प्रशिक्षण से भिन्न है।

सैन्य विज्ञान विषय में 70 अंको का एक लिखित प्रश्न-पत्र 3 घण्टे का होगा। 30 अंकों की एक प्रयोगात्मक परीक्षा होगी। लिखित में उत्तीर्णांक 70 में से 23 अंक होंगे तथा प्रयोगात्मक परीक्षा के लिये 30 अंक में से 10 अंक होंगे। कुल में उत्तीर्णांक 33 अंक होंगे। लिखित तथा प्रयोगात्मक परीक्षा में अलग-अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

1-सैन्य विज्ञान : **12 अंक**

(अ) परिभाषा, क्षेत्र तथा महत्व।

(ब) राजनीतिशास्त्र, इतिहास, भूगोल से सम्बन्ध।

2-थल सेना : **10 अंक**

(अ) थल सेना का वर्गीकरण (लड़ाकू, सहायक तथा प्रशासनिक अंगों के आधार पर), आवश्यकता तथा सामान्य ज्ञान।

(ब) पैदल सेना, कवचयुक्त सेना (टैंक) व तोपखाने की विशेषतायें तथा कार्य।

(स) पैदल सेना, बटालियन का संगठन तथा कार्य।

(द) शांति एवं युद्धकालीन थल सैन्य संगठन (केवल रूपरेखा)।

3-वायु सेना : **06 अंक**

(अ) भारतीय वायुसेना का संक्षिप्त इतिहास।

(ब) वायु सेना के कार्य।

4-नौसेना : **07 अंक**

(ब) भारतीय नौसेना के कार्य तथा पोतों के प्रकारों का सामान्य ज्ञान (विमान वाहन पोत, वाहन पोत, विध्वंसक-पोत तथा पनडुब्बियां, फ्रिगेट)।

5-भारतीय सैन्य इतिहास तथा युद्ध : **12 अंक**

(1) वैदिक तथा महाभारतकाल सैन्य व्यवस्था।
(सैन्य व्यवस्था महाभारत के युद्ध के सन्दर्भ में)।

(2) झेलम का युद्ध 326 ई0 पूर्व।

(3) आचार्य चाणक्य द्वारा वर्णित मौर्य कालीन सैन्य व्यवस्था।

6-हिन्दू कालीन सैन्य व्यवस्था : **08 अंक**

(गुप्तकाल से हर्ष काल तक संक्षेप में)।

7-मुगल युग की सैन्य व्यवस्था : **08 अंक**

(केवल पानीपत के प्रथम युद्ध 1526 ई0 के सम्बन्ध में)।

8-राजपूत सैन्य व्यवस्था : **07 अंक**

(महाराणा प्रताप (हल्दी घाटी की लड़ाई के सन्दर्भ में)।

पुस्तकें

कोई पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रयोगात्मक **30 अंक**

(1) मानचित्र पठन

(1) सर्वेक्षण पत्रक (सर्वे ग्रिडमैप) का परिचय, परिभाषा, उपयोगिता, हाशिये की सूचनायें, सांकेतिक चिन्ह, ग्रिड तथा कन्टूर व्यवस्था।

(2) उत्तर दिशायें-प्रकार तथा दिशा ज्ञान के तरीके।

(3) दिक्‌मान-परिभाषा तथा अन्तर परिवर्तन।

(2) प्रिज्मैटिक दिक्‌सूचक, सर्विस प्रोटेक्टर तथा सशस्त्र सेनाओं के पद

(1) मानचित्र दिशानुकूल करना (नक्शा सेट करना)।

(2) तीनों सेनाओं के बेसिस ऑफ रैंक की पहचान।

(3) प्रयोगात्मक कार्य की अभ्यास पुस्तिका।

प्रयोगात्मक परीक्षाओं में अंकों का विवरण निम्नलिखित होगा।

(क)मानचित्र पठन। **20 अंक**

(ख)प्रिज्मैटिक दिक्‌सूचक। **05 अंक**

(ग)प्रायोगिक अभ्यास-पुस्तिका। **05 अंक**

प्रिज्मैटिक दिक्‌सूचक, सर्विस प्रोटेक्टर तथा प्रायोगिक अभ्यास-पुस्तिका के अंक भौतिक परीक्षा पर भी आधारित होंगे। मानचित्र पठन के सभी प्रश्न-पत्र सर्वेक्षण पत्रांक पर ही होंगे।

सैन्य विज्ञान

अधिकतम अंक 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांक अंक 10 अंक** **समय 04 घण्टे**

नोट :एक टोली में परीक्षार्थियों की संख्या 20 से अधिक न हो। एक दिन में दो टोली से अधिक की परीक्षा न हो।

निर्धारित अंक

1 मानचित्र परिचय-परिभाषा, प्रकार, हाशिये पर दी गयी सूचनाओं को वास्तविक मानचित्र पर पढ़ना तथा हाशिये की सूचनाओं के प्रकार	02
2 मानचित्र निर्देशांक-चार अंकीय एवं छः अंकीय निर्देशांक।	02
3 मापक की परिभाषा, मापक के प्रकार।	02
4 सरल मापक की रचना।	01
5 दिक्‌सूचक—नाम, विभिन्न पुर्जो के प्रकार तथा प्रयोग विधि।	01
6 मानचित्र दिशानुकूल करना।	02
7 मौखिक परीक्षा।	05
8 सांकेतिक चिन्ह-चार सांकेतिक चिन्हों को बनाना जिसमें एक सैनिक सांकेतिक चिन्ह अनिवार्य है।	02
9 उत्तर दिशाओं से सम्बन्धित प्रश्न।	02
10 मानचित्र पर ग्रिड दिक्‌मान नापना।	03
11 दिक्‌मानों के अर्न्तपरिवर्तन।	03
12 उत्तरान्तरों एवं विशिष्ट दिक्‌सूचक त्रुटि ज्ञात करना।	02
13 अभ्यास पुस्तिका।	